

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 312 | श्री विजयपुरम, मंगलवार, 24 नवंबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए



माननीय उप राज्यपाल आज डिगलीपुर का दौरा करेंगे, विभिन्न विकासात्मक पहलों की समीक्षा करेंगे तथा जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों से संवाद करेंगे

राजकीय पॉलीटेक्निक और डी.बी. ग्राम में गैबियन दीवार की आधारशिला रखेंगे, उप–ज़िला अस्पताल का भ्रमण करेंगे तथा पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों और आम जनता से संवाद करेंगे

श्री विजयपुरम, 23 नवंबर। माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, डॉ. दिनेश शर्मा जी कल (24 नवंबर) उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर का दौरा करेंगे, जहाँ वे विभिन्न विकासात्मक पहलों की समीक्षा करेंगे तथा जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों से संवाद करेंगे।

दौरे के दौरान माननीय उप राज्यपाल मॉरिस टेकरी, मधुपुर में राजकीय पॉलीटेक्निक की आधारशिला रखेंगे। वे डी.बी. ग्राम में बेली ब्रिज के पास कल्याण नाले के किनारे गैबियन दीवार की आधारशिला भी रखेंगे।

माननीय उप राज्यपाल उप–ज़िला अस्पताल, डिगलीपुर का भी भ्रमण करेंगे और वहाँ उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बुनियादी ढांचे का जायज़ा लेंगे।

बाद में, माननीय उप राज्यपाल पंचायत समिति हॉल, डिगलीपुर में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों, विभागाध्यक्षों और आम जनता के साथ संवाद करेंगे।

लोक निवास से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दौरे के समापन पर माननीय उप राज्यपाल उसी दिन दोपहर को श्री विजयपुरम लौट आएंगे।

संपत्ति उपहार के माध्यम से परिवार के सदस्यों को हस्तांतरण पर स्टाम्प ड्यूटी में बड़ी राहत

1 दिसंबर से लागू होंगे नए संशोधन

श्री विजयपुरम, 23 नवम्बर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने आज भारत सरकार द्वारा अधिसूचित भारतीय स्टाम्प (अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संशोधन) विनियम, 2026 तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह रजिस्ट्रेशन (संशोधन) विनियम, 2026 को लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। ये दोनों विनियम 1 दिसंबर, 2026 से प्रभावी होंगे।

लंबे समय से जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता द्वारा की जा रही मांग को पूरा करते हुए इन संशोधनों के तहत परिवार के सदस्यों के पक्ष में उपहार के माध्यम से संपत्ति हस्तांतरित करने पर स्टाम्प ड्यूटी की दर 4 से 6 प्रतिशत से घटाकर 1.5 प्रतिशत कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त, आवासीय अथवा कृषि संपत्ति पति/पत्नी, पुत्र, पुत्री, पोते, पोती या विधवा पुत्रवधू को उपहार स्वरूप हस्तांतरित करने पर स्टाम्प ड्यूटी मात्र 200 रूपए निर्धारित की गई है।

लोक निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह महत्वपूर्ण पहल नागरिकों को संपत्ति हस्तांतरण के मामले में बड़ी आर्थिक राहत प्रदान करेगी। साथ ही, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन संबंधी प्रक्रियाओं को अधिक सरल, किफ़ायती एवं सुविधाजनक बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

शुभकामनाएँ



श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के पावन अवसर पर, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समस्त द्वीपवासियों, विशेष रूप से हमारे सिख भाइयों और बहनों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

सिख धर्म के श्रद्धेय संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी ने सत्य, समानता, करुणा, विनम्रता और निःस्वार्थ सेवा की अपनी कालातीत शिक्षाओं के माध्यम से मानवता को प्रबुद्ध किया। उनका "इक ओंकार" का दिव्य संदेश और "सरबत दा भला" का सार्वभौमिक आदर्श शांति, भाईचारे, आपसी सम्मान और सद्भाव के मूल्यों को बनाए रखने के लिए भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है।

उनकी शिक्षाएँ जाति, पंथ और धर्म की सभी बाधाओं को पार करती हैं, जो हमें याद दिलाती हैं कि प्रेम, मानवता और साथी प्राणियों की सेवा सर्वोच्च गुण हैं। आइए, इस शुभ अवसर पर हम सभी उनके महान आदर्शों के प्रति पुनः समर्पित होते हुए एकता के बंधन को सुदृढ़ कर, सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा दे और समावेशी एवं करुणामय समाज के निर्माण में योगदान करने का प्रयास करें।

श्री गुरु नानक देव जी की शाश्वत शिक्षाएं और दिव्य आशीर्वाद हमारे जीवन को ज्ञान और धर्म से प्रकाशित करें और हर घर में शांति, प्रसन्नता, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाएं। उनकी सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश हमें एक सामंजस्यपूर्ण और प्रगतिशील समाज की ओर मार्गदर्शन करता रहे।

(डॉ. दिनेश शर्मा)
माननीय उप–राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत नौकाओं की उपलब्धता एवं समुद्री फिनफिश नर्सरी के प्रस्ताव को मिली स्वीकृति

श्री विजयपुरम, 23 नवम्बर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने आज अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मत्स्य क्षेत्र को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत 'नौकाएँ उपलब्ध कराना' तथा 'समुद्री फिनफिश नर्सरी' उप–घटकों के लिए दिशा–निर्देशों, आवेदन प्रपत्रों एवं वचनपत्र के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

लोक निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल स्थानीय मछुआरों एवं इच्छुक लाभार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी। साथ ही, इससे द्वीपसमूह में मत्स्य उत्पादन, आजीविका के साधनों तथा समुद्री अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।







अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में नागरिक उड्डयन विभाग के विभिन्न कार्यों पर प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। इस दौरान द्वीपों में सी–प्लेन सेवा शीघ्र प्रारंभ करने पर चर्चा की गई, ताकि पर्यटन को और अधिक सुगम बनाया जा सके। साथ ही, हेलीकॉप्टर बेड़े का विस्तार करने तथा आरसीएस–उड़ान के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, ताकि दूरस्थ एवं दुर्गम द्वीपों तक आपातकालीन सेवाएँ एवं चिकित्सा सुविधाएँ अधिक सरलता से पहुँचाई जा सकें। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री ज्ञानेश भारती, आयुक्त–सह–सचिव (नागरिक उड्डयन), सचिव (नागरिक उड्डयन) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

माननीय उप राज्यपाल ने श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा डॉ. दीवान सिंह में मत्था टेका

श्री विजयपुरम, 24 नवंबर।

माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, डॉ. दिनेश शर्मा जी ने आज गुरुद्वारा डॉ. दीवान सिंह, श्री विजयपुरम में श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मत्था टेका तथा गुरु नानक देव जी के जीवन, आदर्शों एवं उनकी महान शिक्षाओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने संपूर्ण मानवता को सत्य, प्रेम, समानता, सेवा, सद्भाव एवं 'एक ओंकार' का संदेश देकर समाज को एकता और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी मानवता को सत्य के मार्ग पर चलने, निःस्वार्थ सेवा करने और सभी के साथ प्रेम एवं समानता का व्यवहार करने की प्रेरणा देती हैं।









इस अवसर पर माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय जी, पुलिस अधीक्षक, दक्षिण अण्डमान श्रीमती श्वेता सुगथन, गुरुद्वारा प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री सरणजीत सिंह, श्री बलदेव सिंह ग्रेवाल, श्री अरजीत सिंह गिल जी, सरदार सीविंदर राज सिंह, सरदार मनदीप सिंह ग्रेवाल, सरदार एस.एस. सलूजा सहित अनेक गणमान्यजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता के क्षेत्रीय निदेशक श्री सिबानंद मिश्रा, सचिव (खेल) सुश्री ज्योति कुमारी, विशेष सचिव श्री अपूर्व शर्मा तथा भारतीय खेल प्राधिकरण एवं अण्डमान प्रशासन के अधिकारियों ने मुलाकात की। इस दौरान श्री विजयपुरम, मायाबंदर, कार निकोबार आदि क्षेत्रों में हॉकी, फुटबॉल, नौकायन, साहसिक खेल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स एवं साइकिलिंग जैसी खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के संबंध में सार्थक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में नई खेल गतिविधियाँ प्रारंभ करने, खिलाड़ियों के लिए हॉस्टल बनाने, साई द्वारा प्रशिक्षित कोचों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा साहसिक खेलों को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी आज हिंदी साहित्य कला परिषद, श्री विजयपुरम, अण्डमान में श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती एम. वसंता के सुपुत्र के वैवाहिक समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवविवाहित वर–वधू को अपना आशीर्वाद प्रदान किया तथा उनके सुखद, सफल एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।







अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष श्री विशाल जॉली एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की।

मायाबंदर कॉलेज के लिए 35 सीटों वाली बस की खरीद हेतु सांसद ने सांसद निधि से जारी किए 38 लाख रुपये

श्री विजयपुरम, 23 नवंबर।

महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान के विद्यार्थियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के उद्देश्य से द्वीपों के माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय ने महाविद्यालय के लिए 35 सीटों वाली बस की खरीद एवं आपूर्ति हेतु सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) निधि से 38 लाख रुपये की राशि उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त को जारी की है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ज़िले के उपायुक्त ने बस की खरीद एवं आपूर्ति का कार्य राज्य परिवहन सेवा (एसटीएस) को सौंप दिया है, ताकि महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लाभार्थ बस की खरीद एवं आपूर्ति के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

सांसद कार्यालय से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस बस से विद्यार्थियों को विभिन्न बाह्य गतिविधियों, मासिक भ्रमण, इंटर्नशिप तथा विभिन्न सरकारी विभागों एवं अन्य स्थानों के शैक्षणिक दौरों में भाग लेने में सुविधा होगी। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक, शिक्षण संबंधी एवं अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बेहतर परिवहन सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया गया

प्राकृतिक उपचार एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियां आयोजित

श्री विजयपुरम, 23 नवंबर।

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के आयुष स्कंध ने अण्डमान तथा निकोबार राज्य आयुष सोसायटी (राष्ट्रीय आयुष मिशन) के सहयोग से "प्राकृतिक चिकित्सा, स्वस्थ भारत" विषय के अंतर्गत प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया। इस आयोजन का उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने वाली प्राकृतिक एवं औषधि ा–मुक्त उपचार पद्धतियों के महत्व को उजागर करना था।

प्राकृतिक चिकित्सा प्रकृति के पांच तत्वों–पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु एवं आकाश के बीच सामंजस्य तथा अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में उनकी भूमिका पर ज़ोर देती है। इस दिवस के माध्यम से उपवास, जल चिकित्सा, मृदा चिकित्सा एवं सूर्य के प्रकाश का सेवन जैसी सरल प्राकृतिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाता है। साथ ही, दीर्घकालिक स्वास्थ्य, रोगों की रोकथाम एवं समग्र कल्याण के लिए प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूकता पैदा करना भी इसका उद्देश्य है।

इस अवसर पर आयुष अस्पताल के योग हॉल में प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए वेशभूषा प्रतियोगिता आयोजित की गई। नन्हे प्रतिभागियों ने रंग–बिरंगी वेशभूषा एवं उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। शिक्षकों, अभिभावकों एवं अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार



प्रदान किए गए तथा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।

इसके अतिरिक्त, चिड़ियाटापू समुद्र तट पर स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें आयुष विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से समुद्र तट की सफाई एवं कचरा एकत्र करने की गतिविधि ायों में हिस्सा लिया तथा स्वच्छता बनाए रखने एवं तटीय पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य प्राकृतिक उपचार पद्धतियों, पर्यावरणीय स्वच्छता तथा स्वस्थ एवं समग्र जीवनशैली अपनाने के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना था। इस आयोजन के माध्यम से समुदाय को प्रकृति–आध ाारित स्वास्थ्य पद्धतियों को अपनाने तथा स्वस्थ भारत के संकल्प को साकार करने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अवैध शराब के विरुद्ध निकोबार ज़िला पुलिस की सख्त कार्रवाई

कार निकोबार, 23 नवंबर।

निकोबार ज़िला पुलिस ने ज़िले भर में नवंबर, 2026 माह के दौरान अवैध शराब के निर्माण, कब्ज़े, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस अवधि में विभिन्न प्रवर्तन अभियानों के तहत कुल 04 मामले दर्ज़ किए गए तथा 18.5 लीटर अवैध शराब ज़ब्त की गई। अवैध शराब के निर्माण पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे निरंतर अभियान के तहत ज़िले के संदिग्ध स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में कुल 05 जंगल तलाशी अभियान चलाए गए। इन अभियानों के दौरान लगभग 2,865 लीटर अवैध लेहान (शराब बनाने के लिए प्रयुक्त किण्वित घोल) नष्ट किया गया, जिससे इसका उपयोग अवैध शराब बनाने में नहीं हो सके। इन अभियानों को पुलिस दलों द्वारा अवैध शराब बनाने की गतिविधियों की पहचान कर उन्हें उनके मूल स्रोत से समाप्त करने के उद्देश्य से संचालित किया गया। निकोबार ज़िला पुलिस अवैध शराब एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के प्रति शून्य सहनशीलता की सख्त नीति अपनाए हुए है। पूरे ज़िले में नियमित गश्त, निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों का सत्यापन तथा लक्षित प्रवर्तन अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस दल संवेदनशील क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं तथा अवैध शराब के निर्माण, कब्ज़े, परिवहन अथवा बिक्री में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल कानूनी



कार्रवाई कर रहे हैं। निकोबार ज़िले के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि सभी तलाशी अभियान संबंधित अनुमंडल पुलिस अधिकारियों (एसडीपीओ) की देखरेख में तथा निकोबार के पुलिस अधीक्षक श्री राहुल एल. नायर, भा.पु.से., के समग्र पर्यवेक्षण एवं निर्देशन में संचालित किए गए। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी अपराध अथवा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से संबंधित जानकारी पुलिस को दूरभाष संख्या 112, 03192–265242 एवं 9531856291 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

सरस आजीविका मेला : शिशु शो एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता 26 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 23 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय ने अभिभावकों से अपने नन्हे–मुन्ने बच्चों को 26 नवंबर को शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक प्रदर्शनी मैदान, श्री विजयपुरम में आयोजित होने वाले शिशु शो में शामिल कराने का आग्रह किया है। इसके लिए पंजीकरण कार्यक्रम स्थल पर शाम 3 बजे से शुरू होगा। इस आयोजन में 7 माह से 4 वर्ष तक के बच्चों के लिए चार आयु वर्गों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य बच्चों के स्वस्थ विकास एवं उनकी खिलखिलाती मुस्कान का उत्सव मनाना है। इसके साथ ही 4 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं रैंप वॉक का भी आयोजन किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति में अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने नन्हे सितारों को रचनात्मक एवं आकर्षक वेशभूषा में सजाकर रैंप वॉक में शामिल कराएं और इस अवसर को यादगार बनाएं। सभी अभिभावकों एवं परिवारों से इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेकर बचपन के इस उत्सव को सफल बनाने की अपील की गई है।



परिवहन विभाग द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र की स्पीड पोस्ट से घर पहुंच सेवा शुरू

श्री विजयपुरम, 23 नवंबर।

जनता की सुविधा, पारदर्शिता एवं सरकारी सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनहितकारी पहल करते हुए अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के परिवहन विभाग ने ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) एवं वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) की घर तक सुपुर्दगी स्पीड पोस्ट के माध्यम से शुरू करने का निर्णय लिया है।

30 अक्टूबर, 2026 को लोक निवास में आयोजित जनता दर्शन के दौरान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल ने परिवहन विभाग की इस जनहितकारी पहल की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य आम जनता को अधिक सुविधा प्रदान करना, पारदर्शिता बढ़ाना तथा सरकारी सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

इस संबंध में परिवहन विभाग ने डाक विभाग के साथ औपचारिक समझौता किया है। इस सुव्यवस्थित व्यवस्था के तहत ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र के प्रसंस्करण, मुद्रण तथा गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्मार्ट कार्ड/दस्तावेज़ सुरक्षित रूप से स्पीड पोस्ट के माध्यम से सीधे आवेदक के डाक पते पर भेज दिए जाएंगे। आम नागरिकों के लिए इस व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- घर तक सुपुर्दगी: अब आवेदकों को अपने भौतिक दस्तावेज़ प्राप्त करने के लिए केवल उन्हें लेने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के काउंटरों अथवा पंजीकरण या लाइसेंसिंग प्राधिकरणों के कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।
- वास्तविक समय में स्थिति की जानकारी: दस्तावेज़ भेजे जाने के बाद आवेदकों को एसएमएस के माध्यम से स्पीड पोस्ट की खेप संख्या (कंसाइनमेंट नंबर) उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके जरिए वे इंडिया पोस्ट के ट्रैकिंग पोर्टल पर अपने दस्तावेज़ की डिलीवरी की स्थिति की वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति में आम नागरिकों को सलाह दी गई है कि दस्तावेज़ों की वापसी से बचने के लिए आवेदन जमा करते समय सारथी एवं वाहन पोर्टल पर अपना वर्तमान आवासीय पता तथा सक्रिय मोबाइल नंबर सही–सही दर्ज़ करना सुनिश्चित करें।

आम जनता को आगे सूचित किया गया है कि दस्तावेज़ों की स्पीड पोस्ट के माध्यम से सुपुर्दगी की औपचारिक शुरुआत 1 नवंबर से ही कर दी गई है।

सरस आजीविका मेला के नौवें दिन भी उमड़ा जनसमूह

श्री विजयपुरम, 23 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय द्वारा आयोजित सरस आजीविका मेला–2026 के नौवें दिन भी लोगों का उत्साह बना रहा। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने एकल गायन, समूह नृत्य एवं संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

यह मेला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), ग्रामीण महिला उद्यमियों एवं पारंपरिक कारीगरों के लिए एक जीवंत बाज़ार के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके माध्यम से उन्हें अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने, पारंपरिक कौशल को सामने लाने तथा संभावित ग्राहकों से जुड़ने के महत्वपूर्ण अवसर मिल रहे हैं। मेले के विभिन्न स्टॉलों पर स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प एवं क्षेत्र विशेष की वस्तुओं की व्यापक विविधता ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया है। ये उत्पाद ग्रामीण समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं उद्यमशीलता की भावना को दर्शाते हैं।

मेले के नौवें दिन लगभग 1.80 लाख रुपये की बिक्री दर्ज़ की गई तथा लगभग 540 आगंतुकों की उपस्थिति रही। इस दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुल दस प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें रंगत, कार निकोबार, लिटिल अण्डमान तथा फरारगंज के एकल गायकों, नृत्य कलाकारों एवं संगीतकारों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, प्रोथरापुर की प्रमुख श्रीमती चंपा दास की शानदार प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। संध्याकालीन कार्यक्रम का शुभारंभ रंगत सामुदायिक विकास खंड की बृती बरई द्वारा एकल गायन प्रस्तुति से हुआ।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण दस सदस्यों वाले सितेश म्यूज़िकल ग्रुप की संगीत प्रस्तुति रही, जिसने अपनी शानदार प्रस्तुति से शाम के कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया और सांस्कृतिक संध्या का यादगार समापन किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में दस प्रस्तुतियों के माध्यम से कुल 35 कलाकारों ने भाग लिया। इन प्रस्तुतियों में द्वीपसमूह की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक विविधता एवं सामुदायिक एकजुटता की झलक देखने को मिली।

अपनी प्रदर्शनियों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से सरस आजीविका मेला ग्रामीण उद्यमशीलता को बढ़ावा देने, स्वयं सहायता समूहों की आजीविका को सशक्त बनाने तथा सांस्कृतिक आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह मेला 29 नवंबर, 2026 तक जारी रहेगा। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि मेले में पहुंचकर ग्रामीण महिला उद्यमियों एवं कारीगरों के प्रयासों को प्रोत्साहित करें तथा उनके उत्पादों का समर्थन करें।

चिड़ियाटापू जैविक उद्यान में वर्षावन प्रकृति भ्रमण एवं जागरूकता कार्यक्रम संचालित

श्री विजयपुरम, 22 नवंबर।

दक्षिण अण्डमान के चिड़ियाटापू स्थित जैविक उद्यान द्वारा 20 नवंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स), श्री विजयपुरम के विद्यार्थियों की सहभागिता से कैंपा के अंतर्गत वर्षावन प्रकृति भ्रमण–सह–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अण्डमान द्वीपसमूह की समृद्ध जैव विविधता से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना तथा वर्षावन पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ चिड़ियाटापू के उष्णकटिबंधीय वर्षावन से होकर मुंडा पहाड़ तक एक रोमांचक पदयात्रा के साथ हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों एवं जीव–जंतुओं का अवलोकन किया तथा स्थानीय पौध ों की प्रजातियों, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों एवं वर्षावन पारिस्थितिकी तंत्र के पारिस्थितिक महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पदयात्रा के बाद विद्यार्थियों ने चिड़ियाटापू जैविक उद्यान का भ्रमण किया, जहां उन्हें उद्यान द्वारा संचालित वन्यजीव संरक्षण संबंधी पहलों, पशु देखभाल तथा क्षेत्र की विशिष्ट जैव विविधता के संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में एवियन्स क्लब के सदस्यों ने भी भाग लिया तथा विद्यार्थियों को पक्षी अवलोकन में सहयोग प्रदान किया।

कार निकोबार में जनजातीय लाभार्थियों के बीच 1,000 चूजों एवं 1,000 अंडों का वितरण

कार निकोबार, 23 नवंबर।

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा जनजातीय समुदाय के कल्याण एवं सामाजिक–आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से आज कार निकोबार में वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कार निकोबार के जनजातीय लाभार्थियों के बीच कुल 1,000 पाले गए चूजों एवं 1,000 अंडों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त डॉ. क्षितिज मुख्य अतिथि तथा जनजातीय परिषद के सचिव श्री मार्टिन लूथर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल का उद्देश्य जनजातीय लाभार्थियों के बीच घरेलू स्तर पर मुर्गीपालन को बढ़ावा देना, आजीविका के अवसरों में वृद्धि करना, पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा मुर्गीपालन आधारित गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित



करना है। घरेलू स्तर पर मुर्गीपालन अतिरिक्त आय अर्जित करने का एक सुलभ माध्यम है। इसके साथ ही इससे परिवारों को अपने घरों में पौष्टिक अंडे एवं मुर्गी का मांस भी उपलब्ध हो सकेगा।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

आईसीएमआर के सर्वेक्षण में राहत के संकेत, देश में एनीमिया के मामलों में आई कमी

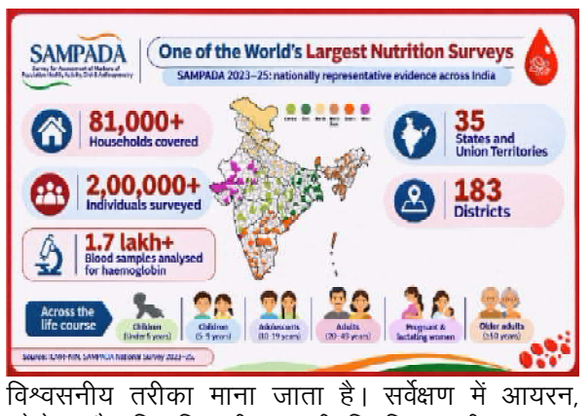
नई दिल्ली, 23 नवम्बर।

देश में एनीमिया यानी खून की कमी को लेकर उत्साहजनक तस्वीर सामने आई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के SAMPADA सर्वेक्षण के अनुसार, पिछले राष्ट्रीय सर्वेक्षणों की तुलना में देश में एनीमिया की व्यापकता में कमी दर्ज की गई है। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि एनीमिया के ज्यादातर मामले हल्के स्तर के हैं, जबकि अधिकांश आयु वर्गों में गंभीर एनीमिया की दर 2 प्रतिशत से भी कम है।

CMR के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग की ओर से जारी SAMPADA 2023–25 सर्वेक्षण में देश की पोषण और सूक्ष्म पोषक तत्वों की स्थिति का व्यापक आकलन किया गया। दुनिया के सबसे बड़े पोषण सर्वेक्षणों में शामिल इस अध्ययन में 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 183 जिलों के 2 लाख से अधिक लोगों और 81 हजार से ज्यादा परिवारों को शामिल किया गया। हीमोग्लोबिन की जांच के लिए 1.70 लाख से अधिक रक्त नमूनों का विश्लेषण किया गया।

सर्वेक्षण के मुताबिक, 12 से 59 महीने के बच्चों में एनीमिया की व्यापकता 42%, 10 से 19 वर्ष की किशोरियों में 46% और किशोर लड़कों तथा 20 से 59 वर्ष के पुरुषों में करीब 22 से 23% रही। वहीं, प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता 56% दर्ज की गई।

इस अध्ययन की खास बात यह है कि इसमें नस से रक्त का नमूना लेकर आधुनिक स्वचालित विश्लेषकों के जरिए हीमोग्लोबिन की जांच की गई। इसे अधिक सटीक और



विश्वसनीय तरीका माना जाता है। सर्वेक्षण में आयरन, फोलेट और विटामिन बी–12 की स्थिति का भी आकलन किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं, किशोरियों और बच्चों में एनीमिया के लगभग आधे मामलों के लिए आयरन की कमी जिम्मेदार है। हालांकि, संक्रमण, आनुवंशिक रक्त संबंधी विकार और पुरानी बीमारियों से जुड़ी सूजन जैसे अन्य कारणों पर भी ध्यान देना जरूरी है।

ICMR के महानिदेशक और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव डॉ. राजीव बहल ने कहा कि SAMPADA सर्वेक्षण से बच्चों, किशोरों, वयस्कों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के साथ बुजुर्गों में भी एनीमिया की स्थिति के राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े मिले हैं। इससे एनीमिया मुक्त भारत अभियान को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

पोखरण में हुआ स्वदेशी ज्वाला एमके–1 का सफल परीक्षण, 5 झड दूर से मार गिराएगा दुश्मन के ड्रोन

नई दिल्ली, 23 नवम्बर।

आत्मनिर्भर भारत मिशन को बढ़ावा देते हुए, स्वदेशी रक्षा निर्माता कंपनी आईजी डिफेंस ने राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में ज्वाला एमके–1 का सफल परीक्षण किया है। कंपनी के अनुसार, यह भारत का पहला स्वायत्त (ऑटोनॉमस) काउंटर–अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम माइक्रो–मिसाइल सिस्टम है। यह नेक्स्ट जेनरेशन की स्वदेशी काउंटर–ड्रोन तकनीक विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कंपनी का कहना है कि इस सिस्टम की ऑपरेशनल रेंज 5 किलोमीटर तक है। कंपनी ने बताया कि ज्वाला एमके–1 एक स्वदेशी, स्वायत्त और किफायती समाधान है, जो दुश्मन के अनमैन्ड एरियल सिस्टम (ड्रोन आदि) से पैदा होने वाले तेजी से बढ़ते खतरों से निपटने में सक्षम है।

कंपनी के मुताबिक, इस मिसाइल में प्रोपल्शन (आगे बढ़ने की शक्ति) और उड़ान के दौरान दिशा बदलने की क्षमता के लिए डुअल–पल्स सॉलिड रॉकेट मोटर और एयरोडायनामिक फिन कंट्रोल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें प्री–फ्रैगमेंटेड हाई–एक्सप्लोसिव वारहेड और प्रॉक्सिमिटी फ्यूज लगा है। इसकी मदद से, मिसाइल को सीधे लक्ष्य से टकराने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि यह लक्ष्य के पास पहुंचते ही फट सकती है।

मानवरहित एरियल सिस्टम का प्रसार आधुनिक सैन्य अभियानों को पूरी तरह से बदल रही है। हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जिनमें अमेरिका–ईरान टकराव भी शामिल है, ने अपेक्षाकृत सस्ते हमलावर ड्रोनों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे निपटने के लिए महंगे पारंपरिक एयर डिफेंस



इंटरसेप्टर का उपयोग करने से जुड़ी आर्थिक चुनौतियों को उजागर किया है।

युद्धक्षेत्र की इस नई वास्तविकता ने लागत के एक गंभीर असंतुलन को सामने ला दिया है। कम लागत वाले हवाई खतरों के कारण सेनाओं को कहीं अधिक महंगे इंटरसेप्शन सिस्टम तैनात करने पड़ सकते हैं। इससे इंटरसेप्टर के भंडार, गोला–बारूद की उपलब्धता और आधुनिक युद्ध के आर्थिक पहलुओं पर भारी दबाव पड़ता है। भारत के लिए, अपनी जटिल सुरक्षा स्थिति और बदलते हवाई खतरों को देखते हुए, किफायती, विस्तार योग्य और स्वदेशी काउंटर–UAS (मानवरहित हवाई प्रणालियों का मुकाबला करने वाली) तकनीकें विकसित करना एक रणनीतिक आवश्यकता है।

रक्षा क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, यह सिस्टम संभावित शत्रुतापूर्ण ड्रोन लक्ष्यों की पहचान करता है, उनका वर्गीकरण करता है, और एक एकीकृत मिशन ऑटोनॉमी आर्किटेक्चर (स्वचालित मिशन प्रणाली) के ज़रिए हवा में ही उन्हें नष्ट करने में मदद करता है।

720 रन बनाने के बावजूद नहीं मिली जीत, वेलिंगटन टेस्ट में टीम इंडिया के नाम दर्ज हुए कई अनचाहे रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 23 नवंबर।

टेस्ट क्रिकेट में 700 से ज्यादा रन बनाना और पहली पारी में 352 रनों की विशाल बढ़त हासिल करना किसी भी टीम को जीत का मजबूत दावेदार बना सकता है। लेकिन न्यूजीलैंड की धरती पर भारतीय टीम के साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसकी शायद ही किसी ने कल्पना की होगी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने पहली पारी में 720 रन का पहाड़ खड़ा किया, इसके बावजूद उसे जीत नसीब नहीं हुई। वेलिंगटन में खेला गया भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस नतीजे के साथ ही भारतीय टीम के नाम कई ऐसे रिकॉर्ड दर्ज हो गए, जिन्हें वह शायद याद नहीं रखना चाहेगी।

दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे। इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 विकेट पर 720 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। भारतीय टीम ने पहली पारी के आधार पर 352 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की।

इतनी बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय टीम की नजरें जीत पर थीं, लेकिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में हार नहीं मानी। भारतीय गेंदबाजों को 120 ओवर तक गेंदबाजी करने के बावजूद सिर्फ पांच विकेट ही मिल सके। ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल ने छठे विकेट के लिए 43 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को जीत से दूर रखा। आखिरकार मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ और भारत वेलिंगटन में 1968 के बाद पहली टेस्ट जीत दर्ज करने से चूक गया।

इस मुकाबले में भारत का 720 रन का स्कोर टेस्ट क्रिकेट में किसी ऐसे मैच में उसका सबसे बड़ा स्कोर बन गया, जिसमें टीम जीत हासिल नहीं कर सकी। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2010 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के SSC मैदान पर बना था। उस मुकाबले में भारत ने 707 रन बनाए थे, लेकिन मैच का नतीजा उसके पक्ष में नहीं आया था।

भारत का 720 रन का स्कोर न्यूजीलैंड के खिलाफ किसी ड्रॉ या हारे हुए टेस्ट मैच में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इससे पहले यह रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के नाम था, जिसने 1999 में ऑकलैंड टेस्ट में 5 विकेट पर 621 रन बनाए थे। वहीं, न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भी टीम का यह सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। इससे पहले 2014 में न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वेलिंगटन में 8 विकेट पर 680 रन बनाए थे। उस मुकाबले में ब्रेंडन मैकुलम ने तिहरा शतक जड़ा था।

भारतीय टीम के लिए एक और निराशाजनक रिकॉर्ड पहली पारी की बढ़त से जुड़ा रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ 352 रनों की बढ़त टेस्ट क्रिकेट में किसी ऐसे मुकाबले में भारत की सबसे बड़ी बढ़त है, जिसमें उसे जीत नहीं मिली।

ग्रामीण विकास विभाग का 'नई चेतना 5.0' अभियान 25 नवंबर से होगा शुरू

नई दिल्ली, 23 नवंबर (हि.स.)।

ग्रामीण विकास मंत्रालय महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर 25 नवंबर को राष्ट्रीय लैंगिक अभियान 'नई चेतना–पहल बदलाव की' का पांचवां संस्करण शुरू करेगा। दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई–एनआरएलएम) के तहत चलने वाला यह महीने भर का अभियान 23 दिसंबर 2026 तक देशभर में लागू किया जाएगा। अभियान के शुभारंभ पर 15 मंत्रालयों और विभागों की संयुक्त अंतर–मंत्रालयी सलाह जारी की जाएगी। इसके साथ ही हिंसा मुक्त गांव पहल के लिए चार पक्षों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन भी जारी होगा।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि तथा किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान अभियान का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम दोपहर दो बजे नई दिल्ली के पूसा स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर के भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम सभागार में आयोजित होगा। इसमें भाग लेने वाले मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, विकास साझेदार और देशभर के सामुदायिक संस्थानों से जुड़ी महिला नेता शामिल होंगी।

'नई चेतना 5.0' की थीम 'पहुंच से अधिकारिता तक: विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण' रखी गई है। अभियान में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा। इनमें महिलाओं को आर्थिक योगदानकर्ता के रूप में मान्यता देना, संपत्तियों तक उनकी पहुंच और उन पर नियंत्रण मजबूत करना, सुरक्षित आवागमन को बढ़ावा देना और अवैतनिक देखभाल कार्यों का समान बंटवारा शामिल है।

अभियान के तहत उन बाधाओं को दूर करने पर जोर दिया जाएगा, जो महिलाओं की आजीविका के अवसरों, बाजारों, वित्तीय सेवाओं, सार्वजनिक स्थानों और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को सीमित करती हैं। इसके साथ ही महिलाओं के स्वतंत्र और सुरक्षित आवागमन को बढ़ावा दिया जाएगा। मंत्रालय का उद्देश्य केवल जागरूकता बढ़ाने तक सीमित न रहकर समन्वित कार्रवाई और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, निर्णय लेने की क्षमता तथा अधिकारिता में मापने योग्य सुधार लाना है।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'पश्चिम बंग' करने को मंजूरी, 9 दिसंबर को विधानसभा में पेश होगा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 23 नवंबर।

पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने आज सोमवार को राज्य का नाम 'पश्चिम बंगाल' से बदलकर 'पश्चिम बंग' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मीडिया को बताया, "इस संबंध में एक प्रस्ताव को आज एक बैठक में मंजूरी दी गई है। इसी प्रस्ताव को 9 दिसंबर को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान पश्चिम बंगाल विधानसभा में पेश किया जाएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि राज्य विधानसभा से मंजूरी मिलने के बाद, इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 से 14 दिसंबर तक चलेगा।

संबंधित अधिकारियों के अनुसार, प्रशासनिक कारणों से राज्य का नाम बदलने का विचार काफी समय से चल रहा है। इसके पीछे कुछ महत्वपूर्ण कारण हैं। केंद्र सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों की बैठकों में, राज्यों के प्रतिनिधियों को अंग्रेजी वर्णमाला (अल्फाबेटिकल ऑर्डर) के क्रम में बोलने का मौका दिया जाता है। इस वजह से, ऐसी सभी बैठकों में पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों को हमेशा सबसे अंत में बोलने का अवसर मिलता था।

पिछले महीने, पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने दावा किया था कि राज्य सरकार जल्द ही एक विधेयक पेश करेगी, जिसके तहत 'पश्चिम बंगाल' का नाम बदलकर सभी भाषाओं में 'पश्चिम बंग' कर दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की कोशिश सबसे पहले 1999 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय ज्योति बसु के नेतृत्व वाली वाम मोर्चे (लेफ्ट फ्रंट) की सरकार ने शुरू की थी। उस समय राज्य का नाम बदलकर 'बंगला' करने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि, राजनीतिक सहमति न बन पाने के कारण उस समय यह प्रयास सफल नहीं हो सका। (इनपुट–आईएएनएस)

आईसीसी के इतिहास में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज, बेन स्टोक्स की बराबरी पर पहुंचे ऋषभ पंत

नई दिल्ली, 23 नवंबर।

इस वक्त दुनियाभर की टीमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत मुकाबले खेल रही हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी सीरीज का भी पहला मैच खत्म हो गया है, जो कि ड्रॉ रहा। इसी में भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स की बराबरी कर ली है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज फिलहाल ऋषभ पंत हो गए हैं। उन्होंने 43 मैच खेलकर अब तक 88 सिक्स लगा दिए हैं। पंत ने इस दौरान सात शतक और 18 अर्धशतक भी लगाने में कामयाबी हासिल की है।

बेन स्टोक्स के भी वैसे तो 88 ही सिक्स हैं, यानी पंत और स्टोक्स बराबरी पर हैं, लेकिन स्टोक्स ने इतने ही छक्के लगाने के लिए 64 टेस्ट खेले हैं, वहीं पंत ने ये काम 43 मैचों में ही कर दिया है, इसलिए वे बेन स्टोक्स से आगे हैं।

रोहित शर्मा ने भले ही काफी वक्त पहले ही टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया हो, लेकिन इसके बाद भी वे अभी तक तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। रोहित ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत 40 मैच खेलकर 56



सिक्स लगाए हैं।

शुभमन गिल, जो कि अब भारतीय टीम के कप्तान हैं, वे इस लिस्ट में नंबर 4 पर आते हैं। उन्होंने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक 43 टेस्ट खेलकर 48 सिक्स लगाए हैं। वे जल्द ही रोहित शर्मा को पीछे कर सकते हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इसमें नंबर 5 पर आते हैं। उन्होंने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 31 टेस्ट मैच खेलकर 45 सिक्स लगाने का काम किया है। जायसवाल ने सात शतक और 14 अर्धशतक लगाए हैं।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने आए पर्यटकों को नर्मदा पर रिवर टूरिज्म का अनुभव करा रहा 'एकता क्रूज'

एकता नगर, 23 नवंबर (आईएएनएस)।

गुजरात में नर्मदा जिले के एकता नगर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दीदार करने आए पर्यटकों को अब यहां रिवर टूरिज्म का भी अनुभव मिल रहा है। गुजरात पर्यटन विभाग द्वारा यहां नर्मदा नदी पर 'एकता क्रूज' का संचालन किया जा रहा है। पर्यटकों के मुताबिक, क्रूज में बैठकर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को देखना और आस–पास के क्षेत्रों की प्राकृतिक सुंदरता को निहारना एक यादगार अनुभव है।

पर्यटक पराग आप्टे ने कहा कि क्रूज से नजारा काफी खूबसूरत है। बहुत सारे क्रूज में गया हूं, लेकिन यहां क्रूज से आनंद उठाना काफी अलग बात है। मुझे पता चला है कि इसमें बैठकर सरदार वल्लभभाई पटेल का स्टैच्यू भी दिखेगा तो यह काफी अच्छा होगा। रोमेश भाउसर ने कहा कि मैं पहली बार इसमें बैठ रहा हूं। सुबह हम लोगों ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी घूम लिया है, बाकी बहुत अच्छा अनुभव रहा है।

16 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित और लगभग 360 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस क्रूज की क्षमता 600 पर्यटकों की है। 400 हॉर्सपावर के इंजन से चलने वाले क्रूज में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए चार डीजल जनरेटर सेट हैं। यह क्रूज आधुनिक सुरक्षा इंतजामों, फायर सेफ्टी सिस्टम के अलावा संगीत, कैटरिंग व डाइनिंग की सुविधाओं से भी लैस है। एकता क्रूज में विभिन्न कार्यक्रमों, उत्सवों, समारोहों और मनोरंजक गतिविधियों के आयोजन की भी सुविधा है।

नीरव पारितोष (एडिशनल कलेक्टर, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर) ने कहा कि इस क्रूज की क्षमता 600 पर्यटकों



की है, जिसमें वे रिवर टूरिज्म का आनंद उठा सकते हैं। इस क्रूज में अत्याधुनिक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, फायर सेफ्टी उपकरण और आरामदायक बैठने की व्यवस्था है। इसके अलावा, इसमें लाइव म्यूजिक व लाइव डिनर का भी एक अलग विकल्प दिया गया है।

सैलानियों की सुविधा के लिए श्रेष्ठ भारत भवन से स्टैच्यू तक एकता क्रूज के दिन में पांच फेरे चलाए जा रहे हैं, जबकि शाम को विशेष डिनर क्रूज का संचालन किया जा रहा है, जिसमें पर्यटकों के लिए डीजे, डांस और कल्चरल प्रोग्राम की भी व्यवस्था है। एकता क्रूज के ऑपरेशन मैनेजर प्रदीप डिसूजा ने बताया कि दिन में श्रेष्ठ भारत भवन से स्टैच्यू तक क्रूज के पांच फेरे होते हैं।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहले से ही देश–दुनिया के सबसे प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट में शुमार है। अब एकता क्रूज के संचालन से पर्यटकों का आकर्षण और ज्यादा बढ़ गया है। कुल मिलाकर एकता क्रूज की वजह से यहां न केवल देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है बल्कि रोजगार बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बूस्ट मिल रहा है। –आईएएनएस

इतिहास के पन्नों में 24 नवंबर: असम के वीर सेनापति लाचित बोरफुकन की जयंती

नई दिल्ली, 23 नवंबर (हि.स.)।

असम के इतिहास में सेनानायक लाचित बोरफुकन का नाम अदम्य साहस, सैन्य कौशल और मातृभूमि के प्रति समर्पण के प्रतीक के रूप में दर्ज है। मुगल साम्राज्य के विस्तारवादी प्रयासों के बीच उन्होंने अहोम राज्य की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए असाधारण नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। उन्हें विशेष रूप से 1671 में ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर लड़े गए ऐतिहासिक साराइघाट युद्ध में मिली विजय के लिए याद किया जाता है।

लाचित बोरफुकन अहोम सेना के प्रमुख सेनानायक थे। उन्होंने मुगल सेना की विशाल सैन्य शक्ति के मुकाबले स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और नदी आधारित युद्धनीति का प्रभावी इस्तेमाल किया। साराइघाट के युद्ध में उनकी रणनीति, सैनिकों का मनोबल और नेतृत्व निर्णायक साबित हुआ। इस संघर्ष में अहोम सेना ने मुगलों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया और असम पर उनके नियंत्रण की कोशिशों को बड़ा झटका लगा।

इस युद्ध में लाचित की दृढ़ता का एक प्रसिद्ध प्रसंग भी जुड़ा है। बीमारी के बावजूद उन्होंने युद्धभूमि नहीं छोड़ी और सैनिकों का नेतृत्व करते रहे। उनका यह समर्पण आज भी असम के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

लाचित बोरफुकन की स्मृति को सम्मान देने के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में उत्कृष्ट कैडेट को उनके नाम पर स्वर्ण पदक प्रदान किया जाता है। यह सम्मान सैन्य नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन के उन मूल्यों का प्रतीक है, जिनके लिए लाचित बोरफुकन को याद किया



जाता है। उनकी वीरता केवल असम तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय इतिहास में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध क्षेत्रीय प्रतिरोध और स्वाधीनता की रक्षा के महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में देखी जाती है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1759 – इटली में विसूवियस पर्वत शिखर पर ज्वालामुखी विस्फोट।

1859 – चार्ल्स डार्विन की 'आन द ओरिजिन आफ स्पेशीज'का प्रकाशन।

1963 – अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ़ कैनेडी के हत्यारे ली हार्वे ऑस्वाल्ड की हत्या की गई।

1871– नेशनल राइफल एसोसिएशन (एनवाईसी) का गठन।

1926–प्रख्यात दार्शनिक श्री अरविंदो को पूर्ण सिद्धि की प्राप्ति।

1966 – कांगो की राजधानी किंसासा में पहला टीवी स्टेशन खुला।

1999 – एथेंस में सम्पन्न विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत की कुंजुरानी देवी ने रजत पदक जीता।

ई–निविदा सूचना (दूसरा बुलावा)

F.No. E 149471 M-13/29/2026/4301 दिनांक 23.11.2026

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड, विकास भवन, पोस्ट बॉक्स संख्या 180, श्री विजय पुरम (अनिडको) की ओर से अलोनिवि या किसी अन्य सरकारी विभाग के ठेकेदारों से ऑनलाइन मद दर ई–निविदा (दूसरा बुलावा) आमंत्रित की जाती है भले ही उनकी सूची इस शर्ते पर हो कि उन्हें सीपीडब्ल्यूडी वर्कस मैनुअल के अनुसार और इन द्वीपों में अन्य भारत सरकार के संगठनों के साथ कार्य के प्रासंगिक परिमाण को क्रियान्वित करने का अनुभव है और उनके पास कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है :

एन.आई.टी.सं. अनिडको/सीडब्लू/26–27/टीडी – 21

कार्य का नाम	डॉल्फिन रिज़ॉर्ट, स्वराज द्वीप के पब्लिक यूटिलिटी एरिया में टॉयलेटरी और सैनिटरी फिटिंग का प्रतिस्थापन।
अनुमानित लागत	रु. 2,89,822/–
निविदा/बोली प्रसंस्करण शुल्क	लागू नहीं
बयाना राशि	रु. 5,800/–
कार्य पूर्णकरने की अवधि	45 दिन
निविदा दस्तावेज़ प्रकाशन तिथि	23.11.2026
निविदा दस्तावेज़ डाउनलोड/आरंभ तिथि	23.11.2026 के अपराह्न 6.00 बजे
निविदा दस्तावेज़ जमा करने की आरंभ तिथि	27.11.2026 के पूर्वाह्न 10.00 बजे
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि	02.12.2026 के अपराह्न 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	03.12.2026 के पूर्वाह्न 11.00 बजे

निविदा प्रपत्र और एवं अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

निविदा आईडी : 2026_ANCVL_25776_2

महाप्रबंधक (सिविल कार्य), अनिडको

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, छौलदारी की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/173

कार्य का नाम : छौलदारी ग्राम पंचायत के अंर्तगत केकाबाद में एनएच से सचिन चंदर के घर तक सीसी रोड का विस्तार।

अनुमानित लागत : रु. 12,78,947/–, धरोहर राशि : रु. 25,579/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 27/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_26049_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, चौलदारी की और से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि .8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/183

कार्य का नाम : छौलदारी ग्राम पंचायत के अंर्तगत छौलदारी 02 में एटीआर एन एच से दुलाल दास के प्लॉट तक जाने वाली ग्रामीण सड़क का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 18,79,584/–, धरोहर राशि : रु. 37,592/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (10) दस माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 27/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_26052_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, कन्यापुरम की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर(सीसीए)/2026–27/172

कार्य का नाम : कन्यापुरम, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड संख्या के पी 02 में मौजूदा सी सी रोड से कब्रिस्तान तक ड्रेन सहित सी सी रोड का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 10,79,888/–, धरोहर राशि : रु. 21,598/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 27/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_26045_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

सीएमसी वेल्लोर में भारत के पहले समर्पित मानव चयापचय कक्ष का उद्घाटन

नई दिल्ली, 23 नवम्बर।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने सोमवार को वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) में भारत की पहली समर्पित मानव चयापचय कक्ष सुविधा का उद्घाटन किया, जो मानव चयापचय, पोषण और चयापचय संबंधी विकारों पर अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस सुविधा की स्थापना टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) और सीएमसी वेल्लोर ने संयुक्त रूप से मधुमेह, मोटापा, पोषण और अन्य चयापचय संबंधी स्थितियों पर शोध को बढ़ावा देने के लिए की है। इसका उद्देश्य चयापचय संबंधी जोखिमों की बेहतर समझ विकसित करने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने के लिए भारत–विशिष्ट वैज्ञानिक प्रमाण जुटाना है।

सभा को संबोधित करते हुए श्रीवास्तव ने भारत की विविध जनसंख्या और उसकी विशिष्ट स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जोखिम प्रोफाइल को ध्यान में रखते हुए सशक्त शोध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अन्य देशों में किए गए अध्ययनों के निष्कर्ष भारतीय जनसंख्या की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं कर सकते हैं।

ह्यूमन मेटाबोलिक चैंबर एक कमरे के आकार का कैलोरीमीटर है जो किसी व्यक्ति के 24 घंटे या उससे अधिक समय तक अंदर रहने, खाने और सोने के दौरान ऑक्सीजन की खपत और कार्बन डाइऑक्साइड के उत्पादन को मापता है। ये माप शोधकर्ताओं को किसी व्यक्ति के कुल ऊर्जा व्यय को निर्धारित करने और यह समझने में मदद करते हैं कि शरीर भोजन, शारीरिक गतिविधि और नींद के दौरान वसा और कार्बोहाइड्रेट का उपयोग कैसे करता है।

यह सुविधा टीआईएफआर की मेटाबॉलिज्म, डेवलपमेंट और एजिंग पर एडवांस्ड रिसर्च यूनिट (एआरयूएमडीए) की पूरक होगी, जिसने पिछले वर्ष पोषण और मेटाबॉलिज्म अनुसंधान के लिए एक राष्ट्रीय विश्लेषणात्मक सुविधा स्थापित की थी। ये दोनों सुविधाएं मिलकर शोधकर्ताओं को आणविक और जैव रासायनिक मापों को शरीर की ऊर्जा खपत से जोड़ने में सक्षम बनाएंगी।

इस पहल को परमाणु ऊर्जा विभाग से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है, साथ ही हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीपीआर) का समर्थन भी मिला है। इसे मास्ट्रिच विश्वविद्यालय स्थित NUTRIM से तकनीकी मार्गदर्शन और भारत में नीदरलैंड्स साम्राज्य के दूतावास से भी सहयोग प्राप्त हुआ है।

स्वास्थ्य सचिव ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1.87 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं और गैर–संक्रामक रोगों और तीन प्रकार के कैंसर के लिए जनसंख्या–आधारित स्क्रीनिंग प्रदान कर रहे हैं।

वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं–वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 23 नवम्बर।



वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने कहा कि भारत में गरीबी दूर करने के लिए केवल अस्थायी राहत देने के बजाय, गरीबी के मूल कारणों और बाधाओं को दूर करने की दिशा में बुनियादी बदलाव आया है।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक लेख में श्रीमती सीतारामन ने कहा कि अंत्योदय यानी समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के सिद्धांत से प्रेरित होकर सरकार ने हर परिवार की समस्याओं को दूर करने का कठिन रास्ता चुना। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

अपने लेख में उन्होंने पिछले महीने जारी विश्व बैंक के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और अत्यधिक गरीबी लगभग समाप्त हो गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह प्रगति लक्षित कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में बदलाव को दर्शाती है। इसमें बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, वित्तीय समावेशन और आजीविका के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

उन्होंने जनधन खातों और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण यानी डीबीटी के माध्यम से वित्तीय समावेशन की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। इससे सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना संभव हुआ है। श्रीमती सीतारामन ने कहा कि इन उपलब्धियों को बनाए रखने के लिए रोजगार, शिक्षा, कौशल विकास और कमजोर वर्गों के लिए अवसर बढ़ाने पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

भारतीय नौसेना को मिला स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'आशंक', समुद्री ताकत होगी मजबूत

नई दिल्ली, 23 नवम्बर।



भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत में एक और स्वदेशी युद्धपोत जुड़ने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने सोमवार को पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'आशंक' नौसेना को सौंप दिया। यह जीआरएसई का बनाया 120वां युद्धपोत है। खास बात यह है कि जीआरएसई ने महज 18 दिन के भीतर अपना दूसरा युद्धपोत नौसेना को सौंपा है। इससे पहले 5 नवंबर को 'अमिनी' युद्धपोत की आपूर्ति की गई थी।

'आशंक' को पूर्वी नौसेना कमान के मुख्यालय में मुख्य स्टाफ अधिकारी (तकनीकी) रियर एडमिरल गौतम मरवाहा की मौजूदगी में नौसेना को सुपुर्द किया गया। आशंक नाम का अर्थ है निडरता और निर्भीकता। अपने नाम के अनुरूप यह युद्धपोत समुद्र में छिपी दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उनसे निपटने में भारतीय नौसेना की मदद करेगा। इसे खास तौर पर तटीय और उथले समुद्री क्षेत्रों में पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए तैयार किया गया है। इससे समुद्र के तटीय इलाकों में भारतीय नौसेना की निगरानी और कार्रवाई करने की क्षमता मजबूत होगी।

'आशंक' की एक बड़ी खासियत इसका स्वदेशी निर्माण है। इसमें करीब 88 प्रतिशत उपकरण और प्रणालियां देश में ही तैयार की गई हैं। युद्धपोत पर लगी 30 मिलीमीटर की नौसैनिक सतही तोप भी जीआरएसई ने बनाई है। यह युद्धपोत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी तकनीक की बढ़ती ताकत का उदाहरण है। इस युद्धपोत की आपूर्ति के साथ जीआरएसई अब तक 120 युद्धपोत बना चुका है। इनमें से 82 भारतीय नौसेना को सौंपे जा चुके हैं।

जीआरएसई का कहना है कि फिलहाल वह 12 प्रमुख अन्य नौसैनिक पोतों का निर्माण कर रही है। इनमें एक उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट, दो पनडुब्बी रोधी युद्धपोत, चार अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत और पांच अगली पीढ़ी के कार्वेट शामिल हैं। इसके अलावा 36 अन्य पोत भी बनाए जा रहे हैं, जिनमें 13 निर्यात के लिए हैं। इस तरह जीआरएसई एक ओर भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने में जुटा है, तो दूसरी ओर स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के क्षेत्र में देश की क्षमता का भी विस्तार कर रहा है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को ही नौसेना के बेड़े में समुद्री स्पोर्ट क्राफ्ट 'डीएससी ए21' को शामिल किया गया था। डीएससी ए21, पांच गोताखोरी सहायता पोतों की परियोजना के तहत बनाया गया दूसरा पोत है।

शंघाई सहयोग संगठन का पहला सभ्यतागत संवाद मंच नई दिल्ली के पुराना किला में संपन्न हुआ

नई दिल्ली, 23 नवम्बर।



शंघाई सहयोग संगठन–एससीओ का पहला सभ्यतागत संवाद मंच नई दिल्ली के पुराना किला में संपन्न हो गया है। इस मंच का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को किया था। संवाद के समापन पर इंद्रप्रस्थ सहमति–पत्र जारी किया गया। सहमति–पत्र में, प्रत्येक सभ्यता को समान महत्व देते हुए उसके प्रति सम्मान की भावना और मानवता के प्रति उसके योगदान को स्वीकार किया गया है। इसमें यह माना गया है कि सांस्कृतिक विरासत में स्मारक, पांडुलिपियां, साहित्य, कलाकृतियां, जीवंत परंपराएं, व्यंजन, प्रदर्शन कलाएं, रचनात्मक कार्य और पीढ़ियों से चली आ रही ज्ञान प्रणालियां शामिल हैं। सहमति–पत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित तकनीक की भूमिका को महत्वपूर्ण माना गया है क्योंकि इनसे सांस्कृतिक विरासत को समझना, उस तक पहुंच बनाना और उसकी सराहना करना सरल हो जाता है।

इसमें कहा गया है कि इन तकनीकों का उपयोग जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए, विरासत के सांस्कृतिक महत्व का सम्मान भी होना चाहिए और इसे संरक्षित करने वालों के हितों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

सहमति–पत्र में तस्करी, पर्यावरणीय क्षति और प्राकृतिक आपदाओं के खतरों से सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए अधिक प्रयास करने की अपील की गई है। संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा कि इंद्रप्रस्थ सहमति–पत्र एससीओ देशों के बीच सभ्यतागत संवाद को जारी रखने के लिए भविष्य का प्रारूप तैयार करेगा। तीन दिन के इस कार्यक्रम में उच्चस्तरीय विचार–विमर्श, विषयगत आदान–प्रदान, विरासत संबंधी गतिविधियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल थीं। इसमें 22 देशों के 116 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पुरुषों के लिए जरूरी हैं ये 5 मेडिकल टेस्ट, इन बीमारियों का लगता है पता

नई दिल्ली, 23 नवम्बर।



अच्छी सेहत के लिए सिर्फ अच्छा खाना और रोजाना एक्सरसाइज करना ही काफी नहीं है, समय–समय पर शरीर की जांच कराना भी जरूरी है. कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जिनके शुरुआती लक्षण दिखाई नहीं देते. जब तक परेशानी का पता चलता है, तब तक बीमारी बढ़ जाती है. पुरुषों में हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, दिल की बीमारी और लिवर–किडनी से जुड़ी समस्याओं का खतरा उम्र और जीवनशैली के साथ बढ़ता है. ऐसे में कुछ मेडिकल टेस्ट की मदद से शरीर की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है.

ब्लड प्रेशर की जांच पुरुषों के लिए जरूरी है. हाई ब्लड प्रेशर की खास बात यह है कि कई बार इसके कोई साफ लक्षण दिखाई नहीं देते. व्यक्ति सामान्य महसूस करता है, लेकिन उसका बीपी बढ़ा हुआ होता है. लंबे समय तक हाई बीपी रहने से दिल की बीमारी, स्ट्रोक और किडनी से जुड़ी परेशानी होती है. इसलिए समय–समय पर बीपी की जांच कराते रहना चाहिए. खासकर उन लोगों को ज्यादा ध्यान देना चाहिए, जिनके परिवार में पहले से हाई बीपी या दिल की बीमारी की समस्या रही है.

ब्लड शुगर और HbA1c टेस्ट से शरीर में शुगर का स्तर पता चलता है. इन जांचों से प्रीडायबिटीज और डायबिटीज की पहचान करने में मदद मिलती है. प्रीडायबिटीज का मतलब है कि शरीर में शुगर सामान्य से ज्यादा है, लेकिन अभी डायबिटीज की स्थिति नहीं बनी है. समय रहते खानपान और रोजाना की आदतों में बदलाव करके इसे कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. वहीं, लंबे समय तक बढ़ी हुई शुगर आंखों, नसों, दिल और किडनी को नुकसान पहुंचाती है.

लिपिड प्रोफाइल टेस्ट से खून में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स की मात्रा का पता चलता है. इनके बढ़ने से दिल की बीमारी और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है. इसके अलावा किडनी फंक्शन टेस्ट KFT से पता चलता है कि किडनी सही तरीके से काम कर रही है या नहीं. इसमें क्रिएटिनिन और यूरिया जैसे स्तरों की जांच की जाती है. वहीं, लिवर फंक्शन टेस्ट LFT से लिवर की स्थिति समझने में मदद मिलती है. इससे लिवर से जुड़ी गड़बड़ियों के संकेत मिलते हैं. इन सभी जांचों की जरूरत उम्र, स्वास्थ्य और डॉक्टर की सलाह के अनुसार तय की जाती है.

गुरु पर्व पर क्यों निकाली जाती है प्रभात फेरी? जानें इसका धार्मिक महत्व और परंपरा

नई दिल्ली, 23 नवंबर।



सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी की जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। यह सिख समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष सजावट, कीर्तन, अरदास और लंगर का आयोजन किया जाता है। गुरु पर्व से पहले कई स्थानों पर प्रभात फेरी भी निकाली जाती है। इसमें श्रद्धालु सुबह–सुबह एकत्र होकर गुरुवाणी का पाठ और कीर्तन करते हुए प्रभु का संदेश लोगों तक पहुंचाते हैं। साल 2026 में गुरु नानक देव जी की जयंती 24 नवंबर, मंगलवार को मनाई जाएगी। यह पर्व कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आता है। इसे गुरु नानक प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। इस दिन देश–विदेश के गुरुद्वारों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु गुरुद्वारों में पहुंचकर मत्था टेकते हैं और गुरु साहिब के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं।

प्रभात फेरी का अर्थ है सुबह के समय निकाली जाने वाली धार्मिक यात्रा। गुरु पर्व से पहले सिख श्रद्धालु समूह बनाकर प्रातःकाल गुरुद्वारों से प्रभात फेरी निकालते हैं। इस दौरान गुरुवाणी के शबद गाए जाते हैं और वाहेगुरु का सिमरन किया जाता है। कई जगहों पर श्रद्धालु अपने आसपास की गलियों और मोहल्लों से होते हुए प्रभात फेरी निकालते हैं।

प्रभात फेरी निकालने का मुख्य उद्देश्य गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं और उनके आध्यात्मिक संदेश को जन–जन तक पहुंचाना है। गुरु नानक देव जी ने हमेशा प्रेम, समानता, सच्चाई और मानव सेवा का संदेश दिया। प्रभात फेरी के माध्यम से श्रद्धालु इन विचारों को याद करते हैं और लोगों को नाम सिमरन तथा अच्छे कर्मों के लिए प्रेरित करते हैं। यह आयोजन सामूहिक भक्ति और आपसी एकता का भी प्रतीक है।

सिख परंपरा में गुरुवाणी का गायन और प्रभु का स्मरण आध्यात्मिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रभात फेरी के दौरान श्रद्धालु एक साथ शबद–कीर्तन करते हैं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो जाता है। इसमें शामिल होने वाले लोग गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा लेते हैं। यह परंपरा समाज में भाईचारे और सेवा भावना को भी मजबूत करती है।

गुरु नानक देव जी ने तीन प्रमुख सिद्धांतों पर जोर दिया नाम जपो, किरत करो और वंड छको। इनका अर्थ है ईश्वर का स्मरण करना, ईमानदारी से मेहनत करना और अपनी कमाई में से जरूरतमंदों के साथ बांटना। प्रभात फेरी भी इन्हीं मूल्यों को याद करने और समाज तक पहुंचाने का एक सुंदर माध्यम है।